Jharkhand

Santhal Parganas Women's Day 2024

In Jharkhand one of Indias most backward and state were indigenous people abound, ICPRD organized the 2024 Womens day campaign with partner NGO's with marches around the Deogarh town (Santhal Parganas) taking out petitions on women's rights/gender equality to district authorities; encouraged women/girls shelters to prevent child marriage by organizing rural womens sports in Madhopur (Deogarh district) etc. In the indigenous area of Santhal parganas (Jharkhand) in the 4 districts of Jamtara, Deogarh, Godda etc., the lowest Indices for indigenous and poor rural women are found in this state, (illiteracy, malnutrition poor IMR rampant with various types of violence against women).

Women's Day 2024 Program News Clips

महिला व किशोरियों का फुटबॉल व खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

मधुपुर निस। अनुमंडल अंतर्गत मार्गोमुंडा प्रखंड के मार्गोमुंडा गांव में आईसीपीआरडी,न्यू दिल्ली व आश्रय मधुपुर के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह रोकथाम को लेकर महिला व किशोरियों का फुटबॉल व खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान आश्रय की सचिव दीपा कुमारी ने बाल विवाह को लेकर लोगों में जागरूकता के लिए महिला व किशोरियों को प्रोत्साहित किया। साथ ही खेलकूद के माध्यम से बाल विवाह रोकथाम का संदेश देने की बात कही। कार्यक्रम में मार्गोमुंडा प्रखंड के लगभग 300 महिला व किशोरियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में मार्गोमुंडा प्रखंड के मार्गोमुंडा गांव की किशोरी टीम प्रथम स्थान व रामपुर पंचायत के खजूरी गांव की किशोरी समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आश्रय से मुस्कान परवीन, तमन्ना परवीन, मुजम्मिल अंसारी, आदर्श कुमार यादव, दिलीप कुमार आदि का योगदान सराहनीय रहा।

Football and sports competition for women and girls organized

Madhupur (Deogarh District). A football and sports competition for rural women and teenagers was organized in the campaign to prevent child marriage under the joint auspices of ICPRD, New Delhi. At Madhupur womens shelter in Margomunda village of Margomunda block under the subdivision. During this, the Secretary of Womens Shelter Deepa Kumari encouraged women and girls to create awareness among people about child marriage. The message of child marriage prevention was carried through sports was provided. About 300 women and girls of Margomunda block participated in the program. In the football competition organized on this occasion, adolescent girls team of Margomunda village of Margomunda block won the first place and Khajuri village group of Rampur panchayat won second place. The contribution of participants Muskaan Parveen, Tamanna Parveen, Muzammil Ansari, Adarsh Kumar Yadav, Dilip Kumar etc., were appreciated for making the program a success. Discussion on child marriage was held.

6:18 AM 47%

Morning news

City Bites

Women should be aware of their rights : Dr. Nandani

Jamtada. On International Women's Day at Narayanpur's Manjladihah Forest Village. A one-day workshop was organized on the topic of gender equality, diversity and inclusion. Inaguration was done by village Chief Manorath Marandi and Committee Member Markush Marandi. Manorath Marandi said that women "Dhruddh Sankalap" are the backbone of society today. Kali Kumar Ghosh, Secretary of said that women still face obstacles in achieving equal participation in the economy. To achieve gender equality this is to be ensured. ICPRD New Delhi President Dr.Nandini Azad asked women to be united and aware of their dignity, safety and rights. Aarti Devi, Champa Mandal, Maryam Marandi, Anjana Mandal, Lukhi Marandi, Anita Devi etc., women members of the ICPRD partner NGO were present on the occasion.

लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन की वकालत

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2024 के अवसर पर आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से लैंगिक समानता, विविधता एवं आर्थिक समावेशन को बढ़ाने के रास्ते तलाशने के लिए एकत्रित हुए हैं।

महत्त्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, महिलाओं को अभी भी अर्थव्यवस्था में समान भागीदारी हासिल करने में काफी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि महिलाओं और लड़कियों को अपनी क्षमताओं का निर्माण करने और सीखने, कमाने और नेतृत्व करने की क्षमता बढ़ाने के लिए समान अवसर प्रदान किए जाएँ।

महिला दिवस महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक उपलब्धियों के प्राप्ति का एक वैश्विक दिवस है। यह लैंगिक समानता के दिशा हुई प्रगति का प्रतिबिम्बित करने और चुनौतियों के समाधान के लिए आगे की कारवाई के आह्वान करने का अवसर है।

लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन की वकालत करने वाली महिलाएँ, यह समझती हैं कि सकारात्मक भविष्य के लिए हमें अपने जीवन और संस्थानों से पूर्वाग्रह और भेदभाव को पूरी तरह से अंत करने की आवश्यकता है।

Scanned with OKEN Scanner

Advocating for gender equality, diversity and inclusion

Gathering to explore ways to advance gender equality, diversity and economic inclusion through economic empowerment on the occasion of International Women's Day, 2024.

It was felt despite significant progress, women still face barriers to achieve equal participation in the economy.

Achieving gender equality requires women and girls are ensured with equal opportunities to build their capabilities and enhance their ability to learn, earn and lead.

Women's Day is a global day to celebrate the economic, social, cultural and political achievements of women. It is an opportunity to reflect on the progress made toward gender equality and call for further action to address the challenges.

Women who advocate for gender equality, diversity and inclusion understand that for a positive future we need to completely eliminate prejudice and discrimination from our lives and institutions.

लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन की वकालत

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2024 के अवसर पर जामताड़ा जिले के नारायणपुर प्राखण्ड के मध्य भुलाडीहा 1 गांव में लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन की वकालत पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन पंचायत के मुखिया श्री मनोरथ मरांडी एवं समिति सदस्य श्री मार्कुश मरांडी के द्वारा किया गया। यह कार्यशाला आइ.सी.पी.आर.डी. नई दिल्ली एवं दृढ़ संकलप, जामताड़ा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

श्री मनोरथ मरांडी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं आज सामज की रीढ़ है। पुरूष वर्ग को यह समझाना है कि महिलांए उनसे किसी भी मायने मे कम नहीं है। सुबह से लेकर शाम तक उनके द्वारा जो काम किया जाता है वो कहीं ज्यादा है।

दृढ़ संकल्प जामताड़ा के सचिव काली कुमार घोष ने कि महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद महिलाओं को अभी भी अर्थव्यवस्था में समान भागीदारी हासिल करन में काफी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना है महिलओं और लड़कियों को अपनी क्षमताओ का निर्माण करने और सीखने, कमाने और नेतृत्व करने की क्षमता बढ़ाने के लिए समान अवसर प्रदान किए जांए।

भुलाडीहा गांव की हसीना खातून ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक उपलब्धियों की प्राप्ति का एक वैश्विक दिवस है। यह लैंगिक समानता की दिशा की ओर प्रगति को प्रतिबिम्बित करता है। और चुनौतियों के समाधान के लिए आगे की कार्यवाही के आहान करने का अवसर प्रदान करता है।

लैंगिक समानता विविधता और समावेशन की वकालत करने वाली महिलाएं यह समभव्ती है कि सकारात्मक भविष्य के लिए हमें अपने जीवन और संस्थानों से पूर्वाग्रह और भेदभाव को पूरी तरह से अंत करने की आवश्यकता है।

आई.सी.पी.आर.डी दिल्ली की अध्यक्षा डॉ. नंदीनी आजाद ने अपने संदेश में उपस्थित महिलाओ को अपनी शुभकामनांए प्रदान की और एक जुटता के साथ अपने सम्मान, सुरक्षा, अधिकार एवं लैंगिक आर्थिक समानता के प्रति जागरूक रहने को कहा। इस कार्यशाला में आरती देवी, चम्पा मंडल, मरियम मरांडी, अंजना मंडल, लुखी मरांडी, अनिता देवी आदि महिलांए उपस्थित थीं।

Advocating for gender equality, diversity and inclusion

On the occasion of International Women's Day, 2024, a one-day workshop on advocacy of gender equality, diversity and inclusion was organized in central Muladiha 1 village of Narayanapur block of Jamtara district.

The workshop was inaugurated by Panchayat head Mr. Manoharath Marandi and committee member Mr. Markush Marandi. This workshop was organized by I.C.PR.D. Done under the joint aegis of New Delhi and NGO **"Strong resolution" (Dhriddh Sankalap)**, Jamtara.

Addressing the women present, Shri Manorath Marandi said that women are the backbone of the society today. The men have to be made to understand that women are not inferior to them in any way. The work they do from morning till evening is much greater.

"Dhriddh Sankalap" Jamtara Secretary **Kali Kumar Gosh** said that despite significant progress, women still face significant obstacles in achieving equal participation in the economy.

Achieving gender equality requires ensuring that women and girls are provide equal opportunities to build their capabilities and enhance their ability to learn, earn and lead.

Haseena Khatoon of Muladiha village said that womens day is a global day for economic, social, cultural and political achievements of women. This reflects progress towards gender equality and provides an opportunity to call for further action to address the challenges.

Women advocating gender equality, diversity and inclusion recognize that for a positive future we need to completely eliminate prejudice and discrimination from our lives and institutions.

ICPRD Delhi President Dr. Nandini Azad in her message extended her best wishes to the women present and asked them to remain unitedly, aware of their dignity, respect, safety, rights and gender economic equality. Women members i.e., Aarti Devi, Chamcha Mandal, Mariam Marandi, Anjana Mandal, Lukhi Marandi, Anita Devi etc. were present in this workshop.

"लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन की वकालत"
पर
एक दिवसीय कार्यशाला
(अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2024)

"लैंगिक समानता, विविधता और समावेशन की वकालत"
पर
एक दिवसीय कार्यशाला
(अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2024)